march of the desert to a considerable extent.

Mr. Deputy-Speaker: Next question.

Shri S. V. Ramaswamy: What is the distance of the desert from Delhi?

SUGAR

*896. **Dr. Ram Subhag Singh:** Will the Minister of **Food and Agriculture** be pleased to state the total quantity of sugar released by the Government of India since the beginning of June, 1953, for sale in the open market?

The Deputy Minister of Food and Agriculture (Shri M. V. Krishnappa): 3,62,756 tons.

Dr. Ram Subhag Singh: What quantity of this released sugar has so far reached the market for internal consumption?

The Minister of Food and Agriculture (Shri Kidwai): From the beginning of the season, that is, 1st December, we have released for the open market about 14.91 lakh tons—from December up to now. Only 2.04 lakh tons could not be moved on account of shortage of wagons. The balance has reached the market.

डा० राम सुभग सिंह : इस समय फैक्टरी में कुल कितनी चीनी है ?

Shri Kidwai: 2·04 lakhs of tons is the quantity of sugar released but not despatched. 2.42 lakhs of tons is the unreleased quantity. The total is 4:46 lakhs of tons.

डा० राम सुभग सिंह : जिस प्रकार ईख की कम से कम (minimum) क़ीमत निश्चित की गयी है उसी प्रकार क्या सरकार सोच रही है कि चीनी की भी मिनिमम क़ीमत निश्चित करे ?

श्री किदवई : शुगर की मिनिमम क़ीमत मुक़र्रर करना बहुत मुश्किल है।

डा० राम सुभग सिंह : य मिनिमम क़ीमत निश्चित करने में सरकार के सामने क्या क्या कठिनाइयां हैं ?

श्री किदवई : जब तक कि गवर्नमेंट पूरी मारकेटिंग अपने हाथ में न ले ले, उस वक्त तक क़ीमत मुक़र्रर करना ब्लैक मारकेटिंग को एनकरेज करना है ।

डा० राम सुभग सिंह : क्या सरकार ने ईख की मारकेटिंग का पूरा प्रबन्ध अपने हाथ में ले लिया है ?

श्री किदवई : ईख की मारकेटिंग का पूरा काम ज्यादातर बिहार और यू० पी० में तो कोआपरेटिव सोसायटीज करती हैं और उन को जो मिनिमम प्राइस मुक़र्रर है वह मिलती है ।

श्री सी० डी० पांडे: क्या जो चीनी हाल में बाहर से आई है उससे क़ीमत गिरने की उम्मीद है ?

श्री किदवई : उस से क़ीमत तो बहुत गिर सकती थी, लेकिन हम चाहते हैं कि जो फैक्टरी की कंट्रोल्ड प्राइस है उस से नीचे न बेची जाय।

श्री सी० डी० पांडे : मेरे कहने का मतलब यह है कि चीनी की इस वक्त जो आप की क़ीमत है उस से वह ४ रुपये मन ज्यादा बिक रही है । तो क्या यह उम्मीद हो सकती है कि ४ रुपये ज्यादा न बिक कर उस क़ीमत पर बिके जिस पर कि आप उस को बेचना चाहते हैं ?

श्री किदवई : इसी लिये वह शूगर मंगाई गई हैं कि चीनी उस क़ीमत पर बिके जो गन्ने की प्राइस मुक़र्रर होने पर होनी चाहिये । उम्मीद है कि उस पर बिकने लगेगी।

सेठ गोविन्द दास : क़ीमत को गिराने के लिये क्या अभी और शूगर बाहर से मंगाने का विचार है ?

श्री किदवई : हम ने तय किया है कि दो लाख टन चीनी बाहर से मंगावेंगे ।

श्री सिंहासन सिंह : क्या यह सही है कि आजकल मिल तीस रुपये के भाव पर तेजी से चीनी बेच रहे हैं ?

श्री किदवई : आजकल जब कि शुगर कम है तो यह कुदरती बात है कि लोग तेजी से बेच रहे हैं। लेकिन तीस रुपये के भाव तो कलकत्ते में बिक रही है, तो एक्स मिल प्राइस उतनी नहीं हो सकती।

Shri T. K. Chaudhuri: May I know who are handling this imported sugar, the Government themselves or any private agencies?

Shri Kidwai: Government themselves.

Shri Raghavaiah: Is this sugar released in the market within the purchasing capacity of the common man? If not, will the Government make any efforts to see that it is within his purchasing capacity?

Shri Kidwai: According to our figures, sugar consumption has increased by 50 per cent. which means that the consumers find it better or easier to purchase sugar rather than gur.

Shri Gidwani: Is it a fact that some months ago, the Government, in order to reduce the price of sugar in the Bombay market, sent certain wagons to Meerut, but the mill-owners refused to load them, and so the wagons returned empty?

Shri Kidwai: That may be correct, because the mill-owners were prepared to send sugar only to those persons for whom it was sold. And so they could not send sugar to Bombay.

Shri Gidwani: Is it a fact that the Government wanted to take action against the defaulters, since they refused to load the wagons, which returned empty, and Government had to suffer loss?

Shri Kidwai: No, Sir. Government have not suffered any loss. Under the scheme, 2:04 lakhs of tons of sugar have been released, but could not be despatched. If they are to be despatched, then they will be despatched only to those places where it has been purchased.

Shri V. B. Gandhi: Will the Government give the landed cost of imported sugar? How does it compare with the ex-factory price of sugar in the country?

Shri Kidwai: The landed cost of the sugar, excluding duty will be roundabout Rs. 19-8-0 to Rs. 21-8-0.

Shri V. B. Gandhi: What will it be, including duty?

Shri Kidwai: Rs. 5-2-0 has to be added on to the price of every variety of sugar that is imported.

रासायनिक खाद

*८९७. **डा० राम सुभग सिंह** : (क) क्या खाद्य तथा कृषि मंत्री यह बतलाने की कृपा करेंगे कि क्या यह तथ्य है कि रासायनिक खाद खरीदने के लिये भारत सरकार ने राज्य सरकारों को ऋण दिये हैं ?

(ख) यदि हां, तो वर्ष १९५३–५४ में अब तक कितनी कितनी धन राशि ऋण स्वरूप विभिन्न राज्य सरकारों को दी गयी है ?

The Deputy Minister of Food and Agriculture (Shri M. V. Krishnappa): (a) Yes.

(b) A statement showing the required information is placed on the Table of the House.

STATEMENT

Short-term loans given to various States for purchase and distribution of chemical fertilisers during 1953-54.

(Rs. in lakhs)

Name of State	Amount of loan given
Assam	7·98
Bihar	48·48
Madhya Pradesh	63·80
Punjab	17 53